



















इस झील की मिट्टी शहीर पर लगाने से दूर हो जाती है हर बीमारी

आपने भारत के कई ऐसी झीलों के बारे में सुना होगा, जहां नहाने से गंभीर बीमारियां होती हैं, इसके पीछे असली बाजह कथा है, वह तो नहीं पता पर लोगों के बीच ये जगह खुब मशहूर हो रही है, आइए अपनों बताते हैं दुनिया की एक ऐसी झील के बारे में जहां एक जलधारी के मौजूद होने का काम किया जाता है और कहा जाता है कि उसकी बाजह से लोगों की बीमारियां दूर हो रही हैं, यह झील पैरों के हुआकावादना में रिक्षा है और बीर-बीरी दुनियाभर में दौरस्टी के बीच मशहूर हो रही है,

पानी में नहाने से

बीमारियां होती हैं दूर

इंटरनेट पर मौजूद आंकड़ों के मुताबिक, इस झील की कुल आबादी 100 लोगों की है लेकिन यहां हर साल 10 हजार से भी ज्यादा दूरस्ट घूमने आते हैं, यह झील ऑफिस और अपेक्षित के नाम से मशहूर है और इसके आसपास रेत के ऊंची लीली भी हैं, इस झील के बारे में कहा जाता है कि इसके पानी और पिछों में पेसा जादू है, कि इसके पानी में नहाने से किर शहीर पर ब्रह्मण्ड मिही का लेप लगाने से सभी बीमारियां दूर हो जाती हैं।

श्रीशे ने झील का रूप ले लिया

यहां रहने वाले लोगों के अलावा दूरस्ट भी इस झील में बुखारी लगाते हैं और इनकी पिछों से भी शहीर पर लगाते हैं, यह झील कैसे बनी, इसके पीछे भी एक दिलचस्प कहानी है, कथा जाता है कि जब एक राजकुमारी ने नहाने के लिए अपने कपड़े उतार तो उसकी नजर अपने शीशे पर पड़ी जिसमें एक शिवकरी उसकी तरफ छढ़ रहा था, वह अचानक वहां से भागने लगी और इसी बीच उसका शीशा वहीं गिर गया, जिसने बाद में एक झील का रूप ले लिया, राजकुमारी इसी झील में एक जलधारी के लिए रही है।

ऐसी भी कथा जाता है कि जब वह भाग रही थी तो उससे जीरे रेत उड़ी उसने रेत के टीलों का रूप ले लिया, माना जाता है कि वह राजकुमारी इसी झील में एक जलधारी के लिए रही है और सबकी बीमारियां टीका कर देती हैं, उब वह कितना साफ है यो तो वहां घूमने जाने पर ही पता चलेगा,

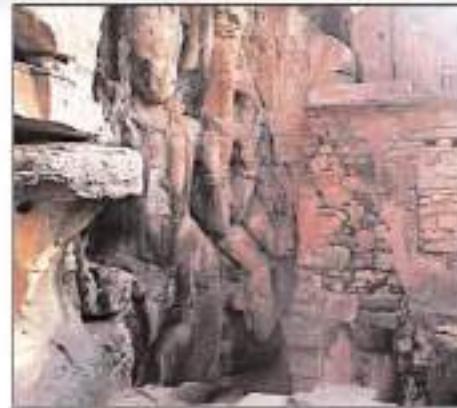


## भारत के इस रहस्यमय किले में छुपा है गहरा राज

भारत में ऐसे कई रहस्यमय किले नौजूट हैं, जो बाहर से देखने पर तो काफी खूबसूरत लगते हैं, लेकिन वे अपने अंदर कुछ राज समेटे हुए हैं। एक ऐसा ही रहस्यमय किला है बुटेलखंड प्रांत में, जिसे कालिंजर के किले के नाम से



मृत्यु ही गई थी। बाद में मुगल शाहजहां अंकबत ने इस पर अधिकार कर लिया और किले कीरबत को तेहफे में दे दिया। इस किले में कई प्राचीन मंदिर भी हैं। इनमें से कई मंदिर तीसरी से पाँचवीं सदी यानी गुरुकल के हैं। यहां के शिव मंदिर के बारे में मान्यता है कि सागर-मध्यन है निकले शिव को बीने के बाद भगवान शिव ने यहीं तपस्या कर उसकी जगता शांत रही थी। यहां स्थित नीलकंठ मंदिर को कालिंजर के प्राचीन मंदिर भी कहा जाता है। यहां स्थित नीलकंठ मंदिर के पूज्यनीय मान गया है। कहते हैं कि इहां नीलकंठ मंदिर के कपर ही जल का एक प्राकृतिक झौल है, जो कभी सूखता नहीं है। इसी जल से मंदिर में मौजूद शिवलिङ जल अभियंक निरंतर प्राप्तिक होके से होता रहता है। वैसे बुटेलखंड का यह इलाका सूखे के कारण जाना



जाता है, लेकिन यह कितना भी सूखा पड़े, जल का यह स्रोत कभी नहीं सूखता है। कहते हैं कि कालिंजर के किले में कई रहस्यमयी छोटी-बड़ी गुफाएँ भी मौजूद हैं।

जनीन से 800 फीट की ऊंची पहाड़ी पर बना कालिंजर का यह किला जितना शांत है, उतना ही खाफिनका थी। कहते हैं कि रात होते ही यहां एक अंडी री हत्यकाल पैदा हो जाती है। लोगों का मानना है कि यहां मौजूद राती महल से रात की अल्पसंख्यक गुफाओं की आवाज सुनाई देती है। यहीं काल है जिस दिन के समय तो लोग घूमने के लिए आते हैं, लेकिन रात थोने से फ़ले ही वो यहां से निकल जाते हैं। इस किले में प्रवेश के लिए सात दरवाजे बने हुए हैं और ये सभी दरवाजे एक दूसरे से खिलौन अलग हैं। यहां के सभी और दीवारों में कई प्रतिलिपियां बनी हुई हैं। मान्यता है कि प्रतिलिपियों में यहां मौजूद खाने का रहस्य सुना हुआ है, जिसे अब तक कोई भी ढूढ़ नहीं पाया है। इस किले में सीता रोजा नामक एक छोटी सी गुफा है, जहां एक प्रथम का प्रब्लेम और तकिया रखा हुआ है। माना जाता है कि यह जगह महा सीता का विश्रामयाली थी। यहीं एक गुड़ भी है, जो सीताखांड कफलतात है। यहां में बुड़ा और बुड़ी नामक दो ताल हैं, जिसके जल को औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है। मान्यता है कि इनका जल वर्षे रोगों के लिए लाभदायक है और इसमें ज्ञान करने से कुछ रोग भी होके हो जाता है।



## समुद्र की गहराई में दफन वो पांच रहस्यमयी शहर, जिनकी खोज ने दुनियाभर को चौंकाया

ये हैं सिरकंदर का शहर अलेकजेंड्रिया (मिस्र), जो करीब 1500 खाल पहले भूकंप के छारण समुद्र में डूब गया था। पानी में इसके खड़बर आज भी मौजूद हैं, जो इस शहर की पिरासत को बताते हैं।

खंभात का खोया हुआ शहर

इसे खंभात का खोया हुआ शहर कहते हैं, जो 17 खाल पहले खंभात की खाड़ी (भूरत) में मिला था। बताया जाता है कि यह शहर करीब 9500 खाल पहले समुद्र में डूब गया था। खाल 2002 में विशेषज्ञों ने इसे खोज निकाला। हालांकि यह अभी रहस्य ही है कि यह आखिर कैसे डूबा?

योनगुनी मिस्र के शहर अलेकजेंड्रिया के नाम से होता है कि यह आखिर कैसे डूबा? हेरास्लोइन शहर



अलेकजेंड्रिया, मिस्र



कई सौ खाल पहले दुनिया ने ऐसे शहर हुआ करते थे, जो आज इतिहास का दिस्ता बन गए हैं और वे इसालिए वयोंके से समुद्र की गहराईयों में डूब गए। आज हम आपको कुछ ऐसे ही शहरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो रहस्यमयी तो हैं ली, साथ ही जो सुरुदूर की अनजीत गहराईयों में डूब गए थे।



## चीन में बना दुनिया का सबसे बड़ा स्टैंडिंग लैटर्न

चीन में इस बड़े जीर-शीर से डलतोल्सव मनाया जा रहा है। इस अंकबत के दोस्रा बहाने के लुयोंयांग में दुनिया का सबसे बड़ा स्टैंडिंग लैटर्न यानी दूरवान बनाया गया है। यह लैटर्न 147 फीट लंबा, 81 फीट ऊंचा और 64 फीट से ज्यादा बाँड़ा है। इसका वजन करीब 4500 टन है। इस लैटर्न को 200 से ज्यादा कालाकारों ने 17 दिनों की दिन-रात तीन मेहनत से बनाया किया है। इस लैटर्न की स्टील औफ पॉलीवर पीड़िती की थीम पर बनाया गया है। इसमें 36 पंक्तियां और 6 परतें हैं। इस रियाल लैटर्न का गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी लिस्ट किया गया है। इस लैटर्न की ऊंचाई 100 लोगों के एक के ऊपर एक लड्डे होने के बराबर है। लैटर्न को 53 हजार लड्डे सार्वे से जगाया किया गया है। इस लैटर्न की खास बात यह है कि वह पूरी तरह से हैडेमेंड है।

पेरु की झील में टोटोरा पौधों से बने हैं ये मानव निर्मित आइलैंड

पेरु और बोलिंगो लोगों पर सिरकत है टिटिकाका झील। यह दृष्टिकोण अपेक्षित की जाती है। इस झील पर स्थानीय लोगों की तरह लैटर्न कराया जाता है। स्थानीय उदास लोगों ने इस लैटर्न की बनाई है। इस समय यहां करीब 120 मानव निर्मित आइलैंड हैं और इन पर 1300 लोग रह रहे हैं। यहां से लोग नाम भी बनाते हैं। लेकिन समय के साथ यहां रहने वालों के जीवन में बदलाव आया है। अब यहां तकनीक का प्रभाव देखने वाले मिलता है। लोगों के घर सोलर पैनल्स द्वारा पैदा की गई रोशनी से रोशन हो रहे हैं। दिलिङ अमेरिका की सबसे बड़ी झील टिटिकाका में पानी में तैरती वस्त्रियों वस्त्रसंगीत जा रही हैं। इस झील पर स्थानीय लोगों की तरह लैटर्न बनाने के बाद तारे हैं और सभी तैरते हैं। द्वीपों की कहीं खालियत के कारण यहां यो आवादी लगातार बढ़ रही है। पेस और बोलिंगो के लोगों ने झील में छोटे-छोटे नाम आइलैंड बनाने शुरू कर दिया है।

## टोटोरा रीडस के बने हैं आइलैंड

इन द्वीपों का दोस्त टोटोरा रोडस की ओटी बाद पर बना है। इन पर घर भी हाल्की लकड़ी और टोटोरा रीडस के बने हैं। इसके बालंडे ये तैरते रहते हैं। टोटोरा रीडस जलीय इलाकों में पाई जाने वाली तकड़ी होती है। कुछ मुश्तुआरों द्वारा इनकी नाव भी बनाते हैं।



ये हैं मिस्र का प्राचीन शहर हेरास्लोइन, जो करीब 1200 खाल पहले समुद्र में डूब गया था। कुछ लोग इसकी जीवन्यां भी खोयी गई। इसका शहर हेरास्लोइन के मूलतीक, यह शहर बेशुमर दीलहाल के साथ





